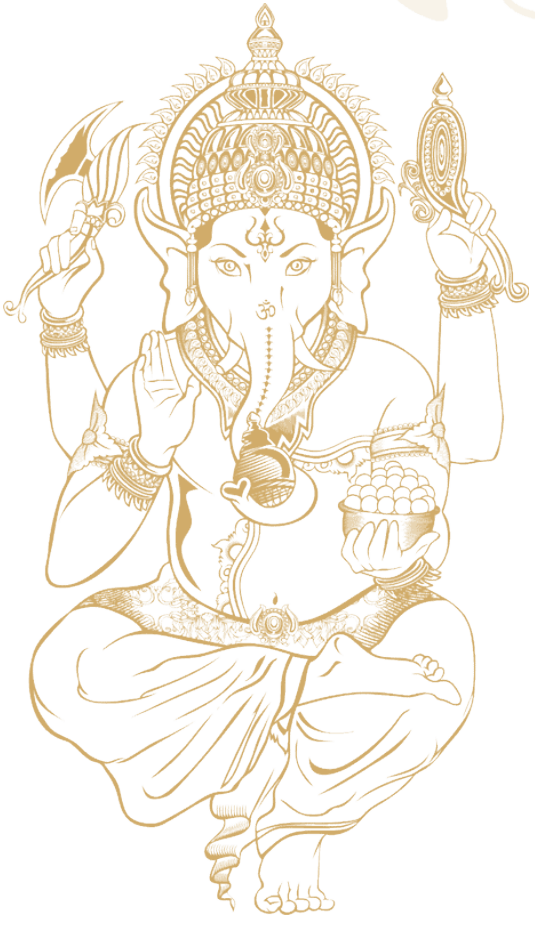

Vivansh

18 Dec 2021

03:22 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121771402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/12/2021**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:22:00 घंटे**
इष्ट	50:23:08 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:47:08 घंटे
वेलान्तर	00:03:53 घंटे
साम्पातिक काल	08:34:06 घंटे
सूर्योदय	07:12:44 घंटे
सूर्यास्त	17:49:29 घंटे
दिनमान	10:36:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:01:08 धनु
लग्न के अंश	10:31:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:31:38	319:23:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			धनु	02:01:08	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	18:12:10	11:47:33	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	08:59:24	00:42:05	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	धनु	12:23:40	01:34:25	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			कुंभ	03:48:08	00:10:14	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	02:16:59	00:03:43	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मक	16:17:45	00:05:48	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृष	07:32:32	00:01:10	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	07:32:32	00:01:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	17:04:54	00:01:32	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप			कुंभ	26:19:15	00:00:34	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो			मक	01:20:19	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	11:59:05	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:35

लग्न-चलित

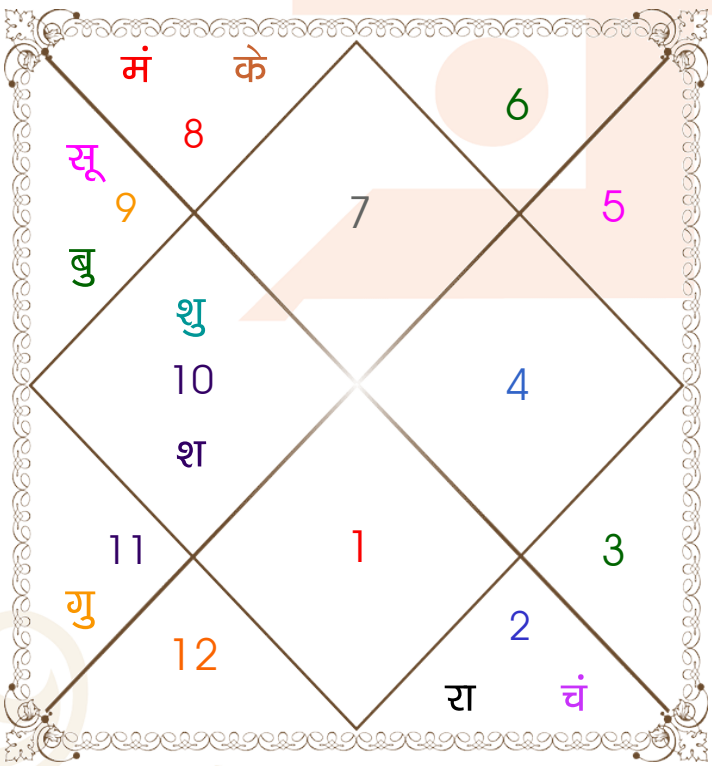

चन्द्र कुंडली

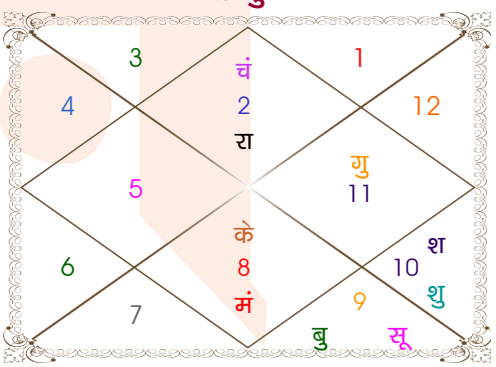

नवमांश कुंडली

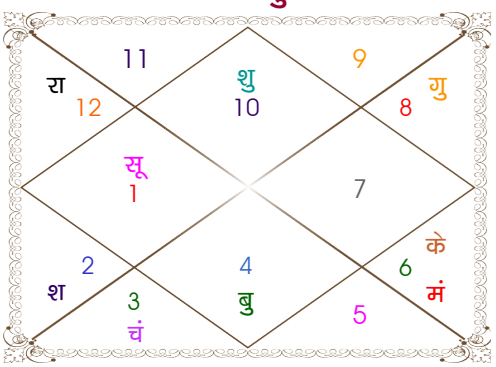

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 10 मास 5 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/12/2021		23/10/2025		23/10/2032		23/10/2050		23/10/2066	
23/10/2025		23/10/2032		23/10/2050		23/10/2066		23/10/2085	
	00/00/0000	मंगल	21/03/2026	राहु	06/07/2035	गुरु	11/12/2052	शनि	26/10/2069
	00/00/0000	राहु	09/04/2027	गुरु	29/11/2037	शनि	24/06/2055	बुध	05/07/2072
	00/00/0000	गुरु	15/03/2028	शनि	05/10/2040	बुध	29/09/2057	केतु	14/08/2073
	00/00/0000	शनि	23/04/2029	बुध	24/04/2043	केतु	05/09/2058	शुक्र	14/10/2076
	18/12/2021	बुध	21/04/2030	केतु	11/05/2044	शुक्र	06/05/2061	सूर्य	26/09/2077
बुध	23/01/2023	केतु	17/09/2030	शुक्र	12/05/2047	सूर्य	22/02/2062	चंद्र	27/04/2079
केतु	24/08/2023	शुक्र	17/11/2031	सूर्य	05/04/2048	चंद्र	24/06/2063	मंगल	05/06/2080
शुक्र	23/04/2025	सूर्य	24/03/2032	चंद्र	05/10/2049	मंगल	30/05/2064	राहु	12/04/2083
सूर्य	23/10/2025	चंद्र	23/10/2032	मंगल	23/10/2050	राहु	23/10/2066	गुरु	23/10/2085

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/10/2085		24/10/2102		24/10/2109		24/10/2129		25/10/2135	
24/10/2102		24/10/2109		24/10/2129		25/10/2135		00/00/0000	
बुध	21/03/2088	केतु	22/03/2103	शुक्र	23/02/2113	सूर्य	11/02/2130	चंद्र	24/08/2136
केतु	18/03/2089	शुक्र	22/05/2104	सूर्य	23/02/2114	चंद्र	12/08/2130	मंगल	25/03/2137
शुक्र	17/01/2092	सूर्य	26/09/2104	चंद्र	25/10/2115	मंगल	18/12/2130	राहु	24/09/2138
सूर्य	22/11/2092	चंद्र	27/04/2105	मंगल	24/12/2116	राहु	12/11/2131	गुरु	24/01/2140
चंद्र	24/04/2094	मंगल	24/09/2105	राहु	24/12/2119	गुरु	30/08/2132	शनि	24/08/2141
मंगल	21/04/2095	राहु	12/10/2106	गुरु	24/08/2122	शनि	12/08/2133	बुध	19/12/2141
राहु	07/11/2097	गुरु	18/09/2107	शनि	24/10/2125	बुध	18/06/2134		00/00/0000
गुरु	13/02/2100	शनि	27/10/2108	बुध	24/08/2128	केतु	24/10/2134		00/00/0000
शनि	24/10/2102	बुध	24/10/2109	केतु	24/10/2129	शुक्र	25/10/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।